

श्चमा स्टब्स A MICIAO RAYY

**EXTRAORDINARY** 

भाग II—सण्ड 3—उपसन्द (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 305] नई विल्ली, शुक्रवार, विसम्बर्ष 21, 1973/स्रप्रहायण 30, 1895 No. 305] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 21, 1973/AGRAHAYANA 30, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि वह ग्रस्तम संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December 1973

- G.S.R. 533(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Tamil Nadu Coarse Grains (Export Control) Order, 1964, namely:—
- 1. (1) This order may be called the Tamil Nadu Coarse Grains (Export Control) Amendment Order, 1973.
  - (2) It shall come into force at once.
- 2. In the Tamil Nadu Coarse Grains (Export Control) Order, 1964 in clause 2, for sub-clause (b), the following sub-clause shall be substituted, namely:—
  - "(b) "Coarse grains" mean any of the Coarse grains specified in the Schedule below and include products made therefrom including broken or flour of such grains."

[No. 10(1)(TN)/73-WT.IV/WT.III] ISHWAR CHANDRA, Jt. Secy.

### कृषि मंत्रालय

## (जाध विभाग)

# ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1973

सा॰ का॰ नि॰ 533 (ब्र) — केन्द्रीय सरकार, ग्रावश्यक वस्सु श्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3द्वारा प्रवत्त सिन्यों का प्रयोग करते हुए, तिमल नाडु मोटा धनाज (निर्माप नियंत्रण) श्रादेश, 1964 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रादेश करती है, श्रयांत :---

- (1) इस ग्रादेश का नाम निमलनाडु मोटा अनाज (नियंक्ष नियंवण) स्थापेशन भावेश, 1973 है।
  - (2) यह ब्रादेश तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- 2. तमिल नाडु मोटा श्रनाज (निर्यात नियंत्रण) श्रादेश, 1964 में. खण्ड 2 में, इंप्रचण्ड (ब) के रुवान पर निव्नलिबित उनकार एका जाइना, श्रयीत् :--
  - "(ख) "मोट भ्रनाज" से निम्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मोटे श्रनाजों में से कोई श्रनाण ग्रभिप्रेत है ग्रौर उनके भ्रम्तर्गत ऐसे श्रनाजों को किनकी या श्राटा सहित उसमे बनें उत्पाद भी मम्मिलत है।"

10(1)(टी एत)/73-चडन्यु डी 4/उड्स्यू टी 3]

्ष्यार चन्द्र , संयुक्त स**चि**य ।